मैसा में रश्मिका का सबसे दमदार अवतार

मैसा इस वर्ष की सबसे चर्चित फिल्मों में अपनी जगह मजबूत करती जा रही है. फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों और फिल्म समीक्षकों के बीच इसे लेकर खास उत्साह देखा जा रहा है. इसकी सबसे बड़ी वजह रश्मिका मंदाना का वह नया अवतार है, जिसे पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा गया. अपने अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर रश्मिका ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक एक अलग पहचान बनाई है और अब 'मैसा' में वह एक नए रूप में दर्शकों के सामने आने वाली हैं.

फिल्म के निर्माताओं ने हाल ही में 'ईरा' नामक किरदार से पर्दा उठाया है. इस भूमिका को अभिनेता तारक पोनप्पा निभा रहे हैं. किरदार की पहली झलक सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच इसकी खूब चर्चा हो रही है. हालांकि मेकर्स ने अभी कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन इतना जरूर संकेत दिया गया है कि 'ईरा' फिल्म की कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है. फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट, भव्य निर्माण और किरदारों की गहराई इसे अन्य फिल्मों से अलग बनाती दिखाई दे रही है. रश्मिका का किरदार एक मजबूत और निडर महिला के रूप में सामने आएगा, जो परिस्थितियों का डटकर सामना करती है. दर्शकों को उम्मीद है कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे यादगार प्रस्तुतियों में से एक साबित हो सकती है. वहीं, तारक पोनप्पा की एंट्री ने कहानी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं. क्या 'ईरा' कहानी का नायक है, खलनायक है या फिर किसी रहस्यमयी भूमिका में नजर आएगा? इन सवालों के जवाब फिलहाल फिल्म की रिलीज के साथ ही मिल पाएंगे. 'मैसा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई अनुभव के रूप में पेश किए जाने की तैयारी में है.

गवर्नर में मनोज बाजपेयी ने बताया ताकत का असली मतलब

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म गवर्नर को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ रही है. सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म भारत के इतिहास के उस दौर की कहानी को पर्दे पर पेश करती है, जब देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था. फिल्म में मनोज बाजपेयी एक दृढ़ और निर्णायक गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, जिन पर देश को आर्थिक संकट से उबारने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. उनका किरदार उन कठिन फैसलों और मजबूत नेतृत्व को दर्शाता है, जिन्होंने देश के भविष्य को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाई.

अभिनय और बिजनेस से चमकी शिल्पा की किस्मत

शिल्पा शेट्टी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और इसके बाद बॉलीवुड में कदम रखा. वर्ष 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से उन्हें बड़ी पहचान मिली. इस फिल्म में उनकी भूमिका को दर्शकों ने काफी पसंद किया और यहीं से उनके सफल करियर की शुरुआत हुई. इसके बाद शिल्पा ने 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'धड़कन', 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे' और 'लाइफ इन ए मेट्रो' जैसी कई चर्चित फिल्मों में काम किया. अभिनय के साथ-साथ उन्होंने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. विभिन्न रियलिटी शो में जज और होस्ट के रूप में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई. शिल्पा शेट्टी की पहचान केवल अभिनेत्री के रूप में ही नहीं बल्कि फिटनेस आइकन के रूप में भी है. योग और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में उनका बड़ा योगदान माना जाता है. उन्होंने फिटनेस से जुड़े कई कार्यक्रम और डिजिटल प्लेटफॉर्म भी शुरू किए, जिन्हें लोगों ने काफी पसंद किया.

बिजनेस की दुनिया में भी शिल्पा ने सफल निवेश किए हैं. रेस्टोरेंट, वेलनेस और फिटनेस सेक्टर में उनकी भागीदारी ने उनकी आय के स्रोतों को और मजबूत बनाया है. इसके अलावा कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों से भी उन्हें अच्छी कमाई होती है. शिल्पा अपने पति राज कुंद्रा के साथ मुंबई में आलीशान घर में रहती हैं. उनके पास लग्जरी कारों का शानदार कलेक्शन भी है, जिसमें कई महंगी और प्रीमियम गाड़ियां शामिल हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शिल्पा शेट्टी की कुल संपत्ति सैकड़ों करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है, हालांकि अलग-अलग रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा भिन्न हो सकता है.

टेलीविजन

राही-प्रेम के रिश्ते में फिर आई दरार

अनुपमा के आगामी एपिसोड में भावनाओं और रिश्तों का उतार-चढ़ाव दर्शकों को बांधे रखेगा. मां-बेटी के रिश्ते से लेकर नई प्रेम कहानियों तक, कहानी कई दिलचस्प मोड़ लेने वाली है. अनुपमा अपनी बेटी राही के साथ कुछ सुकून भरे पल बिताएगी और उसे समझाने की कोशिश करेगी कि मां का प्यार कभी खत्म नहीं होता. वह राही को उसके स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में भी जागरूक करेगी. इस दौरान दोनों भावुक हो जाएंगी और एक-दूसरे को गले लगाकर अपने जज्बात साझा करेंगी. लेकिन यह भावुक पल ज्यादा देर तक नहीं टिकेगा. राही को अपने पति प्रेम की बातें याद आएंगी और वह अचानक खुद को अनुपमा से दूर कर लेगी. बाहर आने पर उसे पता चलेगा कि प्रेम उसे खोजते हुए आया था, लेकिन बाद में नाराज होकर वहां से चला गया. राही समझ जाएगी कि प्रेम ने उसे अनुपमा के साथ देख लिया था और इसी वजह से वह नाराज है. कैफे पहुंचने पर राही को प्रेम की हालत देखकर झटका लगेगा. प्रेम गुस्से में खुद को चोट पहुंचाने की कोशिश करता नजर आएगा.

फिर दुल्हन बनेंगी 41 साल की जेनिफर विंगेट

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली जेनिफर विंगेट अपनी प्रोफेशनल और निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं. बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी कसौटी जिंदगी की' में श्वेता तिवारी की ऑनस्क्रीन बेटी की भूमिका निभाकर जेनिफर ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया. इसके बाद उन्होंने दिल मिल गए, बेहद और बेपनाह जैसे कई सफल धारावाहिक में शानदार अभिनय कर अपनी अलग पहचान बनाई. आज भी वह टीवी की सबसे पसंदीदा और सफल अभिनेत्रियों में शामिल हैं. पिछले कुछ दिनों से जेनिफर विंगेट की दूसरी शादी को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण सिंह ग्रोवर से अलग होने के करीब 12 साल बाद एक्ट्रेस अपनी जिंदगी में नए अध्याय की शुरुआत करने की तैयारी कर रही हैं.

कंगना ने बताया देर से शादी का कारण

कंगना रनौत हमेशा से अपने बेबाक अंदाज और स्पष्ट विचारों के लिए जानी जाती हैं. चाहे फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दे हों या फिर सामाजिक विषय, वह खुलकर अपनी राय रखने से नहीं हिचकतीं. अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने सफल महिलाओं की शादी को लेकर भी दिलचस्प टिप्पणी की. कंगना ने कहा कि आज की महिलाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक स्वतंत्र और आत्मविश्वासी हैं. वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने को प्राथमिकता देती हैं. ऐसे में उनका ध्यान शुरुआती वर्षों में करियर निर्माण और खुद को स्थापित करने पर अधिक रहता है. यही वजह है कि कई बार शादी का निर्णय अपेक्षाकृत देर से लिया जाता है.

उन्होंने यह भी कहा कि सफलता के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं. जो महिलाएं अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही होती हैं, वे जीवनसाथी चुनने के मामले में भी जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं. वे ऐसे साथी की तलाश करती हैं जो उनके विचारों, महत्वाकांक्षाओं और जीवनशैली को समझ सके. इस प्रक्रिया में समय लगना स्वाभाविक है. समाज में भी बदलाव आया है. पहले महिलाओं पर कम उम्र में शादी करने का अधिक दबाव होता था, लेकिन अब परिवार और समाज का नजरिया धीरे-धीरे बदल रहा है. महिलाएं अपने फैसले खुद लेने लगी हैं.

मनीष पॉल ने खोला मेहनत का राज

अभिनेता मनीष पॉल ने कहा है कि फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के हास्य और भ्रम से भरे दृश्यों को पर्दे पर सहज दिखाने के लिए कलाकारों को घंटों अभ्यास और कड़ी मेहनत करनी पड़ी. इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है जवानी तो इश्क होना है दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है. फिल्म की सबसे चर्चित विशेषताओं में डेविड धवन शैली की हास्यपूर्ण गलतफहमियों और भ्रमों से भरी कहानी शामिल है. गलत पहचान, तेज रफ्तार घटनाक्रम, एक के ऊपर एक बोले गए झूठ और सही समय पर उत्पन्न होने वाली गलतफहमियों से सजी यह फिल्म पारंपरिक बॉलीवुड कॉमेडी का स्वाद दर्शकों को फिर से दे रही है.

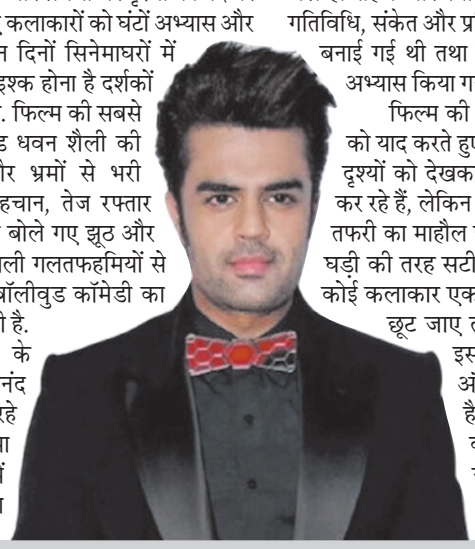

दर्शक जहां फिल्म के मनोरंजक भ्रम दृश्यों का आनंद लेते हुए हंसी से लोटपोट हो रहे हैं, वहीं मनीष पॉल ने बताया कि इन दृश्यों को फिल्माने में काफी मेहनत और सटीकता की आवश्यकता पड़ी. मनीष पॉल ने कहा कि पर्दे पर ये दृश्य भले ही सहज और स्वाभाविक दिखाई देते हों, लेकिन प्रत्येक गतिविधि, संकेत और प्रतिक्रिया की पहले से बारीकी से योजना बनाई गई थी तथा उन्हें बेहतर बनाने के लिए बार-बार अभ्यास किया गया.

फिल्म की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों को याद करते हुए मनीष पॉल ने कहा, 'लोग ऐसे हास्य दृश्यों को देखकर सोचते हैं कि हम सिर्फ मौज-मस्ती कर रहे हैं, लेकिन वास्तविकता में सेट पर काफी अफरा-तफरी का माहौल होता है. डेविड धवन की हास्य शैली घड़ी की तरह सटीक समय पर आधारित होती है. यदि कोई कलाकार एक सेकंड भी देर कर दे या कोई संकेत छूट जाए तो पूरा दृश्य प्रभावित हो सकता है. इसके लिए अत्यधिक एकाग्रता, ऊर्जा और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है. जब अंत में डेविड जी 'कट, ओके' कहते थे तो पूरी टीम थककर बैठ जाती थी, लेकिन माहौल हंसी-मजाक से भरा रहता था.

यश राज फिल्म्स 10 जून को आलिया भट्ट और शर्वरी अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की पहली झलक टीज़र के रूप में जारी करने जा रहा है. यह टीज़र एक ऐसी लड़की की ओरिजिन स्टोरी पर केंद्रित होगा, जिसे एक खतरनाक किलिंग मशीन बनने के लिए तैयार किया जाता है.

वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की यह पहली ऐसी ओरिजिन स्टोरी है, जिसमें मुख्य किरदार एक असैसिन है.

सूत्रों ने बताया कि 'अल्फा' का टीज़र 10 जून को रिलीज होगा. इसके बाद फिल्म के लिए व्यापक मार्केटिंग और प्रमोशनल अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें कहानी को प्रचार का केंद्र बनाया जाएगा. यह अभियान आज के भारत के 'अल्फा एटीट्यूड' को रेखांकित करेगा. 'अल्फा' का पूरा अभियान इस विचार पर आधारित है कि 'अल्फा' केवल एक किरदार या फिल्म का नाम नहीं, बल्कि एक सोच और रवैया है. विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों, डिजिटल अभियानों और युवाओं से जुड़े आयोजनों के माध्यम से आलिया भट्ट और शर्वरी उस सोच का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी, जो आधुनिक भारत की आत्मविश्वासी युवा पीढ़ी को परिभाषित करती है.

10 जून को रिलीज होगा फिल्म 'अल्फा' का टीजर

ऑटोमोबाइल

भारतीय बाजार में बीवाईडी की नई चुनौती

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच बीवाईडी अब एक नई रणनीति के साथ सामने आई है. कंपनी 9 जून को अपनी पहली प्लग-इन हाइब्रिड कार पेश करने जा रही है. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ग्राहक लंबी रेंज और कम ईंधन खर्च वाले विकल्पों की तलाश कर रहे हैं. प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक इलेक्ट्रिक और पेट्रोल इंजन दोनों का फायदा देती है, जिससे वाहन की कुल दूरी तय करने की क्षमता काफी बढ़ जाती है.

बीवाईडी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर मॉडल का नाम घोषित नहीं किया है, लेकिन ऑटो सेक्टर में चर्चा है कि कंपनी एट्टो 2 डीएम-आई या किसी अन्य डीएम-आई तकनीक आधारित मॉडल को भारतीय बाजार में ला सकती है. एट्टो 2 डीएम-आई का आकार लोकप्रिय मध्यम आकार की एसयूवी हुंडई क्रेटा के करीब बताया जा रहा है, जिससे यह सीधे इसी श्रेणी में मुकाबला कर सकती है. संभावित मॉडल में 1.5 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है, जिसे इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी पैक के साथ जोड़ा जाएगा. यह संयोजन न केवल बेहतर प्रदर्शन देगा बल्कि ईंधन की खपत को भी काफी कम करेगा. बीवाईडी की डीएम-आई सुपर हाइब्रिड तकनीक दुनिया के कई बाजारों में अपनी दक्षता के लिए पहचान बना चुकी है.

प्लग-इन हाइब्रिड वाहन उन ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं जो पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने को लेकर अभी भी चार्जिंग ढांचे जैसी चिंताओं से जूझ रहे हैं. हाइब्रिड तकनीक उन्हें इलेक्ट्रिक ड्राइविंग का अनुभव भी देती है और जरूरत पड़ने पर पेट्रोल इंजन का सहारा भी उपलब्ध कराती है.अगर बीवाईडी अपनी नई प्लग-इन हाइब्रिड कार को प्रतिस्पर्धी कीमत पर लॉन्च करती है, तो यह भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाइराइडर और अन्य हाइब्रिड एसयूवी मॉडलों को कड़ी चुनौती दे सकती है.

भारत की पहली फ्लेक्स फ्यूल वैगनआर पेश

पेट्रोल खर्च घटाएगी नई फ्लेक्स फ्यूल कार

भारत में हर दिन लाखों वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में पेट्रोल और डीजल की खपत होती है. इसके कारण एक ओर ईंधन पर खर्च बढ़ता है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषण भी गंभीर समस्या बनता जा रहा है. इसी चुनौती से निपटने के लिए वाहन निर्माता कंपनियां नई तकनीकों पर काम कर रही हैं. इस दिशा में मारुति सुजुकी ने बड़ा कदम उठाते हुए फ्लेक्स फ्यूल तकनीक से लैस वैगनआर को पेश किया है.

फ्लेक्स फ्यूल तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वाहन विभिन्न अनुपात में पेट्रोल और इथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग कर सकता है. आमतौर पर यह तकनीक इ20 से लेकर इ85 जैसे उच्च इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन पर भी काम करने में सक्षम होती है. इससे पेट्रोल की खपत कम होती है और वाहन से निकलने वाले हानिकारक उत्सर्जन में भी कमी आती है.

सरकार पिछले कुछ वर्षों से इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है. इसका उद्देश्य किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध कराना, कच्चे तेल के आयात पर खर्च कम करना और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत बनाना है. ऐसे में फ्लेक्स फ्यूल वाहन इस नीति को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभा सकते हैं. मारुति सुजुकी की वैगनआर पहले से ही देश की सबसे लोकप्रिय हैचबैक कारों में गिनी जाती है. अब फ्लेक्स फ्यूल तकनीक के साथ इसका नया संस्करण भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है.

कंपनी का मानना है कि यह तकनीक आने वाले वर्षों में भारतीय बाजार में वैकल्पिक ईंधन आधारित वाहनों के लिए रास्ता तैयार करेगी. यदि देशभर में इथेनॉल ईंधन की उपलब्धता बढ़ती है, तो फ्लेक्स फ्यूल वाहन आम उपभोक्ताओं के लिए बेहतर विकल्प बन सकते हैं. इससे न केवल ईंधन खर्च में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी. भारत की पहली फ्लेक्स फ्यूल वैगनआर की पेशकश को इसी बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो ऑटोमोबाइल उद्योग के भविष्य को नई दिशा दे सकता है.

नए स्कूटर से टीवीएस मचाएगी बड़ा धमाल

टीवीएस मोटर कंपनी भारतीय बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है. इसी रणनीति के तहत कंपनी एक नए प्रीमियम मैक्सी स्कूटर पर काम कर रही है, जो 160 सीसी इंजन के साथ आ सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह स्कूटर अभी विकास प्रक्रिया में है और इसे वर्ष 2027 के अंत तक लॉन्च किया जा सकता है. हालांकि कंपनी ने अभी तक इस परियोजना को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन ऑटोमोबाइल जगत में इसकी चर्चा तेज हो गई है.

नए स्कूटर में कंपनी का अत्याधुनिक लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया जाएगा. यह इंजन बेहतर प्रदर्शन, अधिक दक्षता और लंबी दूरी की आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने में मदद करेगा. माना जा रहा है कि यह टीवीएस का अब तक का सबसे आधुनिक और तकनीक से भरपूर स्कूटर हो सकता है. मैक्सी स्कूटर अपनी बड़ी बॉडी, आरामदायक सीटिंग और लंबी दूरी के सफर के लिए खास पहचान रखते हैं. टीवीएस का नया मॉडल भी इसी अवधारणा को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है. इसमें आकर्षक डिजाइन, बेहतर एयरोडायनामिक्स और आधुनिक फीचर्स मिलने की संभावना है. डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, एलईडी लाइटिंग, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम और पर्याप्त स्टोरेज जैसी सुविधाएं इसमें शामिल की जा सकती हैं. भारतीय बाजार में प्रीमियम मैक्सी स्कूटर सेगमेंट अभी सीमित है, लेकिन इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है.

यामाहा का प्रीमियम स्कूटर जल्द करेगा एंट्री

भारतीय बाजार में प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट तेजी से विस्तार कर रहा है और वाहन निर्माता कंपनियां ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए उत्पाद पेश कर रही हैं. इसी कड़ी में यामाहा का नाम भी चर्चा में है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी जल्द ही अपने लोकप्रिय प्रीमियम मैक्सी-स्कूटर एनमैक्स को भारतीय बाजार में उतार सकती है. हालांकि अभी तक कंपनी की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन संभावित लॉन्च को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है.

यामाहा एनमैक्स को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक प्रीमियम और स्पोर्टी स्कूटर के रूप में जाना जाता है. इसका डिजाइन सामान्य स्कूटरों की तुलना में अधिक आकर्षक और आक्रामक है, जो इसे युवाओं के बीच खास बनाता है. लंबी और चौड़ी सीट, आरामदायक राइडिंग पोजिशन तथा बेहतर सड़क स्थिरता इसे लंबी दूरी की यात्रा के लिए भी उपयुक्त बनाती है. स्कूटर में लगभग 155 सीसी क्षमता का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया जा सकता है, जो यामाहा की लोकप्रिय स्पोर्ट्स मोटरसाइकिलों में इस्तेमाल होने वाली तकनीक से लैस हो सकता है. इससे स्कूटर को बेहतर प्रदर्शन और तेज रफ्तार मिलने की संभावना है. यही कारण है कि इसे स्कूटर और मोटरसाइकिल के अनुभव का मिश्रण माना जा रहा है.

फीचर्स की बात करें तो इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एलईडी लाइटिंग, स्मार्ट कनेक्टिविटी, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, की-लेस स्टार्ट और पर्याप्त स्टोरेज जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं. ये फीचर्स इसे प्रीमियम ग्राहकों के लिए और अधिक आकर्षक बना सकते हैं. यदि यामाहा एनमैक्स भारतीय बाजार में लॉन्च होता है, तो इसका मुकाबला सुजुकी बर्गमैन, एप्रिलिया एसआर सीरीज और अन्य प्रीमियम स्कूटरों से हो सकता है.

यामाहा अपने मजबूत ब्रांड और स्पोर्टी पहचान के दम पर इस सेगमेंट में अच्छी पकड़ बना सकती है. फिलहाल कंपनी की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है. लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स और ऑटोमोबाइल जगत में चल रही चर्चाओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि एनमैक्स का संभावित आगमन भारतीय स्कूटर बाजार में नई हलचल पैदा कर सकता है.